Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

01 OCTOBER 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. आयुष मंत्रालय ने 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर AIIA गोवा में भारत के पहले एकीकृत ऑन्कोलॉजी अनुसंधान और देखभाल केंद्र का उद्घाटन किया।

10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर, आयुष मंत्रालय ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA), धारगल, गोवा में भारत के पहले एकीकृत ऑन्कोलॉजी अनुसंधान और देखभाल केंद्र (IORCC) का उद्घाटन किया, जिसमें समग्र कैंसर पुनर्वास के लिए आयुर्वेद, योग, पंचकर्म और आधुनिक ऑन्कोलॉजी को एकीकृत किया गया है।

- **वर्चुअल उद्घाटन का नेतृत्व गोवा के राज्यपाल श्री पुसापति अशोक गजपति राजू ने किया, जिसमें गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत; आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव; ऊर्जा मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक और आयुष मंत्रालय में सचिव वैद्य राजेश कोटेचा भी उपस्थित थे।**

- **IORCC भारत का पहला बहु-विषयक केंद्र है जो आयुर्वेद, योग, पंचकर्म, आहार चिकित्सा, फिजियोथेरेपी और आधुनिक ऑन्कोलॉजी को एक ही छत के नीचे एकीकृत करता है, तथा कैंसर देखभाल के लिए रोगी-केंद्रित पुनर्वास प्रदान करता है।**

- **इस केंद्र की स्थापना टाटा मेमोरियल सेंटर के ACTREC (कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र) के सहयोग से की गई है ताकि स्वास्थ्य लाभ में सुधार हो, कीमोथेरेपी/विकिरण दुष्प्रभावों को कम किया जा सके और जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि हो।**

Key Points:-

(i) केंद्र की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. सुजाता कदम, डीन, AIIA गोवा करेंगी, डॉ. संजय खेडेकर संयोजक होंगे, और डॉ. शेखर साल्कर जैसे ऑन्कोलॉजिस्ट और AIIA गोवा के संकाय सदस्य इसका समर्थन करेंगे।

(ii) AIIA दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर पी.के. प्रजापति ने कहा कि IORCC साक्ष्य-आधारित एकीकृत प्रोटोकॉल विकसित करने, आयुष-आधारित पुनर्वास अनुसंधान को आगे बढ़ाने और शैक्षणिक प्रशिक्षण और नवाचार के माध्यम से क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगा।

(iii) यह पहल पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक चिकित्सा के साथ जोड़कर भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के अनुरूप है, जिससे भारत के स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एकीकृत ऑन्कोलॉजी देखभाल का एक अनुकरणीय मॉडल तैयार होता है।

2. चंडीगढ़ में CoCSSO के दौरान MoSPI ने "एनवायरनमेंट अकाउंटिंग ऑन फॉरेस्ट-2025" का 8वां संस्करण जारी किया।

सितंबर 2025 में, सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने पर्यावरण-लेखांकन रिपोर्ट का 8वां संस्करण "एनवायरनमेंट अकाउंटिंग ऑन फॉरेस्ट-2025" शीर्षक से जारी किया। यह वन लेखांकन पर पहली समर्पित रिपोर्ट है, जिसे चंडीगढ़ में आयोजित 29वें केंद्रीय और राज्य सांख्यिकीय संगठनों के सम्मेलन (CoCSSO) के दौरान प्रस्तुत किया गया।

- **रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2010-11 से 2021-22 के बीच भारत का वन क्षेत्र 17,444.61 वर्ग किमी बढ़कर 7.15 लाख वर्ग किमी हो गया है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 21.76% है।**

- **भौतिक संपत्ति खाता (Physical Asset Account) के अनुसार, 2010-11 से 2021-22 की अवधि में वनों की वृद्धि सबसे अधिक केरल में 4,137 वर्ग किमी रही, इसके बाद कर्नाटक में 3,122 वर्ग किमी और तमिलनाडु में 2,606 वर्ग किमी रही।**

Key Points:-

(i) रिपोर्ट के एक्सटेंट अकाउंट (Extent Account) के अनुसार, 2013 से 2023 के बीच भारत के वन क्षेत्र में 3,356 वर्ग किमी की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण भूमि का पुनर्वर्गीकरण और सीमाओं का पुनर्निर्धारण था।

(ii) रिकॉर्डेड फॉरेस्ट एरिया (RFA) में भी कई राज्यों में वृद्धि दर्ज की गई। उत्तराखंड में RFA 6.3% बढ़ा, ओडिशा में 1.97% और झारखंड में 1.9%, जबकि पूरे भारत का RFA 23.48% से बढ़कर 23.59% हुआ।

(iii) यह व्यापक रिपोर्ट MoSPI की पहली पहल है जो केवल वन लेखांकन पर केंद्रित है, और इसे भारत में पर्यावरणीय सांख्यिकी और नीति-निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ माना जा रहा है।

3. भारत के शीत मरुस्थल बायोस्फीयर रिजर्व को UNESCO के विश्व बायोस्फीयर रिजर्व नेटवर्क में जोड़ा गया तथा बिहार में दो नए रामसर स्थल जोड़े गए।

सितंबर 2025 में, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) के मानव एवं जीवमंडल (MAB) कार्यक्रम के लिए अंतर्राष्ट्रीय समन्वय परिषद का 37वाँ सत्र पेरिस, फ्रांस में आयोजित किया गया। इस सत्र के दौरान, हिमाचल प्रदेश स्थित भारत के शीत मरुस्थल जीवमंडल रिज़र्व (CDBR) को यूनेस्को के विश्व जीवमंडल रिज़र्व नेटवर्क (WNBR) में शामिल किया गया, जिससे जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण के प्रति भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

- **भारत में अब UNESCO WNBR के तहत मान्यता प्राप्त 13 बायोस्फीयर रिजर्व हैं, जिसमें हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में 7,770 वर्ग किलोमीटर में फैला शीत मरुस्थल बायोस्फीयर**

रिजर्व एक अद्वितीय शीत मरुस्थल पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है।

• इसके साथ ही, भारत ने बिहार से दो नए रामसर स्थलों को जोड़ा: बक्सर जिले में गोकुल जलाशय (448 हेक्टेयर) और पश्चिम चंपारण जिले में उदयपुर झील (319 हेक्टेयर), जिससे देश के आर्द्रभूमि संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिली।

Key Points:-

(i) इन वृद्धियों के साथ, भारत में अब 13,60,719 हेक्टेयर में फैले 93 रामसर स्थल हैं, जिससे यह एशिया में सबसे अधिक रामसर स्थलों वाला देश बन गया है और यूनाइटेड किंगडम (176 स्थल) और मैक्सिको (144 स्थल) के बाद विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा देश है।

(ii) स्थलीय और आर्द्रभूमि दोनों पारिस्थितिकी प्रणालियों की यह मान्यता वैश्विक जैव विविधता संरक्षण में भारत की भूमिका को रेखांकित करती है, जो विविध पर्यावरणीय परिदृश्यों में सतत विकास, आवास संरक्षण और पारिस्थितिक अनुसंधान को बढ़ावा देती है।

(iii) शीत मरुस्थल जैवमंडल रिजर्व और नए रामसर स्थल वैज्ञानिक अनुसंधान, पारिस्थितिकी पर्यटन और संरक्षण में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देते हैं, तथा UNESCO के MAB कार्यक्रम के लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करते हैं।

4. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारसुगुड़ा से 60,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के झारसुगुड़ा से ₹60,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएँ दूरसंचार, रेलवे, स्वास्थ्य सेवा, उच्च शिक्षा, ग्रामीण आवास और औद्योगिक विकास से संबंधित हैं। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री ने ओडिशा के ब्रह्मपुर और गुजरात के सूरत के उधना के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई।

• परियोजनाओं का शुभारंभ ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की उपस्थिति में किया गया।

• अमृत भारत एक्सप्रेस ओडिशा को गुजरात और आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से जोड़ने वाली एक प्रमुख संपर्क पहल है।

• एक ऐतिहासिक घोषणा 97,500 से ज़्यादा नए BSNL 4G टावरों का शुभारंभ थी, जिनमें से 92,600 पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बने हैं और जिनकी लागत ₹37,000 करोड़ है। यह उपलब्धि भारत को उन गिने-चुने देशों में शामिल करती है जो अपना दूरसंचार नेटवर्क बनाने में सक्षम हैं और 30,000 गाँवों तक हाई-स्पीड कनेक्टिविटी पहुँचाएगी।

Key Points:-

(i) प्रधानमंत्री ने प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल उन्नयन की

घोषणा की, जिसमें बरहामपुर में MKCG मेडिकल कॉलेज और बुर्ला-संबलपुर में VIMSAR को विश्व स्तरीय सुपर-स्पेशलिटी अस्पतालों में परिवर्तित करना शामिल है।

(ii) प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ओडिशा में हाल ही में दो सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंज़ूरी दी गई है, साथ ही एक सेमीकंडक्टर पार्क की योजना भी है, जिससे राज्य एक तकनीकी केंद्र बन जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि डबल इंजन वाली सरकार ओडिशा के तेज़ विकास को गति दे रही है।

(iii) प्रधानमंत्री ने कर सुधारों पर ज़ोर देते हुए कहा कि 2017 में वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू होने के बाद से नागरिकों पर बोझ काफ़ी कम हुआ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि BSNL के स्वदेशी नवाचारों और डिजिटल समावेशन पहलों के बल पर भारत जल्द ही दूरसंचार प्रौद्योगिकी के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरेगा।

5. 'उन्मेष: अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव' का तीसरा संस्करण पटना, बिहार में आयोजित किया गया।

साहित्य अकादमी द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और बिहार सरकार के सहयोग से "उन्मेष: अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव" के तीसरे संस्करण का आयोजन किया गया। यह आयोजन 25 से 28 सितंबर, 2025 तक सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर, पटना में हुआ।

- **इस महोत्सव का उद्घाटन 25 सितंबर, 2025 को बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने किया, जिससे भारत के सबसे बड़े साहित्यिक समारोहों में से एक की शुरुआत हुई।**
- **इस आयोजन में अफ्रीका, पूर्वी एशिया, यूरोप और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 16 देशों के 550 से अधिक लेखकों, कवियों, विद्वानों, अनुवादकों, प्रकाशकों और प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया और 100 से अधिक भाषाओं को कवर किया।**

Key Points:-

(i) अपने चार दिनों के दौरान, महोत्सव में 90 विविध सत्र आयोजित किए गए, जिनमें पैनल चर्चाएँ, लेखकीय वाचन, कार्यशालाएँ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जो साहित्यिक आदान-प्रदान और संवाद के लिए एक समृद्ध मंच प्रदान करती थीं।

(ii) "उन्मेषा" महोत्सव ने वैश्विक साहित्यिक सहयोग के केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया, अंतर-सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित किया और विविध परंपराओं और आवाजों को एकजुट करने में साहित्य की भूमिका को बढ़ावा दिया।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. शैलेश चंद्रा को टाटा मोटर्स का MD एवं CEO नियुक्त किया गया।

टाटा मोटर्स ने हाल ही में शैलेश चंद्रा को अपना नया प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 1 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगी और रणनीतिक पुनर्गठन के बीच यात्री वाहन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रभागों का नेतृत्व करेंगे।

- **शैलेश चंद्रा की नियुक्ति टाटा मोटर्स के नेतृत्व में फेरबदल का हिस्सा है, जो 1 अक्टूबर, 2025 से अपने वाणिज्यिक वाहन व्यवसाय को टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड (TMLCV) में विभाजित करने के बाद हो रहा है।**

- **गिरीश वाघ TMLCV के MD और CEO होंगे, जबकि धीमान गुप्ता टाटा मोटर्स के CFO होंगे। वे पी.बी. बालाजी की जगह लेंगे, जो 17 नवंबर, 2025 को जगुआर लैंड रोवर (JLR) में CEO के रूप में कार्यभार संभालेंगे।**

- **चंद्रा से उम्मीद की जा रही है कि वे टाटा मोटर्स का ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) पर केंद्रित करेंगे, नेक्सॉन EV सहित EV पोर्टफोलियो को मजबूत करेंगे और डिजिटल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाएंगे।**

Key Points:-

(i) नेतृत्व में परिवर्तन JLR पर हाल ही में हुए साइबर हमले जैसी चुनौतियों के बीच हुआ है, जिससे UK के परिचालन और आपूर्तिकर्ता नेटवर्क प्रभावित हुए हैं, जिससे स्थिरीकरण और परिचालन दक्षता को प्राथमिकता मिली है।

(ii) विश्लेषक इस नियुक्ति को सकारात्मक रूप से देखते हैं, तथा नवाचार, टिकाऊ परिवहन और EV बाजार में वृद्धि के प्रति टाटा मोटर्स की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हैं।

2. शिरीष चंद्र मुर्मू को RBI का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया।

भारत सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को तीन साल के कार्यकाल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है, जो 9 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा। मुर्मू, जो वर्तमान में RBI में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, एम राजेश्वर राव का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 8 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

- **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने मुर्मू की नियुक्ति को मंज़ूरी दे दी है। डिप्टी गवर्नर के रूप में, वह RBI के चार प्रमुख विभागों में से एक का कार्यभार संभालेंगे: मौद्रिक नीति, वित्तीय बाज़ार विनियमन, बैंकिंग पर्यवेक्षण, या वित्तीय समावेशन। विशिष्ट पोर्टफोलियो आवंटन की घोषणा अभी बाकी है।**

- **इस पद से पहले, मुर्मू RBI में महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं, जिनमें पर्यवेक्षण विभाग का कार्यभार भी शामिल है। नियामक और पर्यवेक्षी कार्यों में उनका व्यापक**

अनुभव उन्हें केंद्रीय बैंक के उद्देश्यों में योगदान देने के लिए उपयुक्त बनाता है।

Key Points:-

(i) मुर्मू की नियुक्ति RBI में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन का प्रतीक है, जो एम राजेश्वर राव के सेवानिवृत्त होने के बाद हुआ है, जिन्होंने अपने कार्यकाल के पाँच वर्ष पूरे कर लिए हैं। राव के कार्यकाल में उनके शुरुआती तीन साल के कार्यकाल के बाद दो विस्तार शामिल थे, जो 8 अक्टूबर को समाप्त हो रहे थे।

(ii) RBI के चार डिप्टी गवर्नर भारत की मौद्रिक और वित्तीय नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुर्मू के नेतृत्व से आने वाले वर्षों में केंद्रीय बैंक की रणनीतियों को प्रभावित करने की उम्मीद है।

3. मिथुन मानस मुंबई में BCCI की 94वीं वार्षिक आम बैठक में BCCI के 37वें अध्यक्ष चुने गए।

28 सितंबर, 2025 को, दिल्ली क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिथुन मानस को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की 94वीं वार्षिक आम बैठक (AGM) में महाराष्ट्र के मुंबई में आयोजित 37वें अध्यक्ष के रूप में चुना गया। उन्होंने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी का स्थान लिया।

• मिथुन मानस ने 1997-98 से 2016-17 के बीच घरेलू क्रिकेट में 157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट ए और 91 टी20 मैच खेले। उन्होंने 2007-08 सीज़न में दिल्ली को रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया और खुद को भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक प्रमुख हस्ती के रूप में स्थापित किया।

• सेवानिवृत्ति के बाद, मानस ने पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स सहित कई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के सहायक कोच के रूप में योगदान दिया। उन्होंने जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के क्रिकेट निदेशक के रूप में भी काम किया।

Key Points:-

(i) मिथुन मानस BCCI अध्यक्ष पद संभालने वाले लगातार तीसरे पूर्व क्रिकेटर बन गए हैं। इससे पहले सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी भी BCCI अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं। इस तरह भारतीय क्रिकेट प्रशासन का नेतृत्व पूर्व खिलाड़ियों द्वारा करने का सिलसिला जारी है।

(ii) वार्षिक आम बैठक में पदाधिकारियों के पद पर बने रहने और उनके चुनाव की पुष्टि हुई। राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष बने रहेंगे, देवजीत सैकिया सचिव पद पर बने रहेंगे, प्रभातेज सिंह भाटिया संयुक्त सचिव और ए. रघुराम भट्ट कोषाध्यक्ष नियुक्त किए गए। जयदेव शाह BCCI की शीर्ष परिषद के लिए चुने गए।

(iii) बैठक में कई समितियों की नियुक्तियों को अंतिम रूप दिया गया। जयेश जॉर्ज को महिला प्रीमियर लीग (WPL) समिति का अध्यक्ष चुना गया, अमिता शर्मा को महिला चयन समिति का मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया गया, जबकि प्रज्ञान ओझा और आरपी सिंह पुरुष चयन समिति में शामिल हुए। एस. शरत को जूनियर पुरुष चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

SPORTS

1. भारत ने 2025 में पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवां एशिया कप खिताब जीता।

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के दुबई अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित फाइनल में पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। यह टूर्नामेंट मूल रूप से भारत द्वारा आयोजित किया जाना था, लेकिन बाद में इसे UAE में स्थानांतरित कर दिया गया, जो 9 से 28 सितंबर, 2025 तक चलेगा।

- **एशिया कप का 17वां संस्करण UAE के दो स्टेडियमों में आयोजित किया गया: 11 मैच दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में और 8 मैच शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी में खेले गए।**

- **इस टूर्नामेंट में आठ टीमें शामिल थीं, जिनमें एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के पांच पूर्ण सदस्य - भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान - के साथ-साथ तीन टीमें (UAE, ओमान, हांगकांग) शामिल थीं, जो 2024 ACC पुरुष प्रीमियर कप के शीर्ष तीन में रहीं।**

Key Points:-

(i) इस जीत के साथ, भारत के अब नौ एशिया कप खिताब हो गए हैं, जिनमें सात एकदिवसीय और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप शामिल हैं, जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बन गई है। श्रीलंका छह खिताबों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान ने दो खिताब जीते हैं।

(ii) विजेता भारतीय टीम ने 300,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.6 करोड़ रुपये) का पुरस्कार अर्जित किया, जो 2023 संस्करण के पुरस्कार पूल से 50% अधिक है।

(iii) 2025 की जीत एशियाई क्रिकेट में भारत के प्रभुत्व को मजबूत करती है और विभिन्न प्रारूपों में उसके निरंतर प्रदर्शन को उजागर करती है, जिससे एशिया कप के 17वें संस्करण के इतिहास में अग्रणी टीम के रूप में उसकी स्थिति बनी हुई है।

2. भारत ने बांग्लादेश को हराकर 2025 SAFF अंडर-17 पुरुष फुटबॉल चैम्पियनशिप जीती।

भारत ने 20 से 27 सितंबर तक श्रीलंका के कोलंबो स्थित रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित SAFF अंडर-17 पुरुष फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के 10वें संस्करण का खिताब जीत लिया। भारतीय अंडर-17 टीम ने फाइनल में पेनल्टी शूटआउट के ज़रिए बांग्लादेश को हराकर अपना सातवाँ SAFF अंडर-17 खिताब जीता।

- **2025 SAFF U-17 चैम्पियनशिप में सात टीमें - बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका - राउंड-रॉबिन प्रारूप में**

प्रतिस्पर्धा करेंगी और विजेता का निर्धारण करने के लिए फाइनल होगा।

• फाइनल 2-2 से ड्रॉ रहा और भारत ने पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को 4-1 से हरा दिया। भारत के लिए दल्लामुआन गंगटे और अज़लान शाह केएच ने गोल किए, जबकि बांग्लादेश के लिए मोहम्मद मानिक और इहसान हबीब रिदुआन ने गोल किए।

Key Points:-

(i) बिबियानो फर्नांडीस द्वारा प्रशिक्षित भारतीय टीम ने मुख्य कोच के रूप में अपना पाँचवाँ SAFF खिताब जीता। पेनल्टी शूटआउट में टीम के शानदार प्रदर्शन ने फाइनल में जीत सुनिश्चित की।

(ii) भारत को इस टूर्नामेंट के लिए फेयर प्ले अवार्ड मिला। इस जीत ने भारत को सातवाँ SAFF अंडर-17 चैंपियनशिप खिताब दिलाया, जिसने क्षेत्रीय युवा फुटबॉल में उसके प्रभुत्व को उजागर किया।

(iii) प्रमुख व्यक्तिगत पुरस्कारों में शामिल हैं: मोहम्मद अब्दुल्ला (पाकिस्तान) - 6 गोल के साथ सर्वोच्च गोल स्कोरर; नजमुल हुदा फैसल (बांग्लादेश) - सबसे मूल्यवान खिलाड़ी; मोहम्मद अलिफ रहमान इम्तियाज (बांग्लादेश) - सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर; इहसान हबीब रिदुआन (बांग्लादेश) - फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी।

IMPORTANT DAYS

1. संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बधिर दिवस 2025- 28 सितंबर को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र (UN) ने वैश्विक बधिर समुदाय के समर्थन में 28 सितंबर, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बधिर दिवस मनाया। इस दिवस का उद्देश्य बधिर व्यक्तियों के दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके अधिकारों तथा समाज में समावेशी एवं सुरक्षित स्थानों की आवश्यकता की वकालत करना है।

• अंतर्राष्ट्रीय बधिर दिवस प्रत्येक वर्ष सितंबर के अंतिम रविवार को पड़ता है और अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के साथ मेल खाता है। 2025 में, यह 22 से 28 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह के दौरान मनाया जाएगा, जो वैश्विक एकजुटता और बधिर संस्कृति की मान्यता पर ज़ोर देता है।

• इस दिवस की जड़ें 1951 में स्थापित विश्व बधिर महासंघ (WFD) से जुड़ी हैं, जो दुनिया भर में बधिर समुदायों के लिए समानता, पहुंच और बेहतर जीवन स्थितियों को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

• विश्व बधिर दिवस का पहला आधिकारिक आयोजन 1958 में WFD द्वारा किया गया था। तब से, यह जागरूकता पैदा करने, बधिर व्यक्तियों की उपलब्धियों को उजागर करने और शिक्षा, रोज़गार एवं संचार में समावेशी नीतियों की वकालत करने के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

Key Points:-

(i) यह दिन बधिर संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ाने, बधिर लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों की समझ को बढ़ावा देने और उनके अधिकारों की वकालत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

(iii) यह समाज में पूर्ण भागीदारी के लिए आवश्यक सांकेतिक भाषा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य सामाजिक संसाधनों तक पहुंच के महत्व को रेखांकित करता है।

(iii) बधिर समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाला एक वैश्विक प्रतीक बधिर ध्वज है, जिसे कलाकार अरनॉड बालार्ड ने डिज़ाइन किया है। इस ध्वज में नीला क्षेत्र समुदाय का प्रतीक है, पीला जीवन का, और गहरा नीला ग्रह का। इसे विश्व बधिर दिवस (WFD) द्वारा दुनिया भर के बधिर लोगों के लिए एक एकीकृत प्रतीक प्रदान करने के लिए प्रस्तुत किया गया था।

2. संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच दिवस (IDUAI) 2025 - 28 सितंबर को मनाया गया।

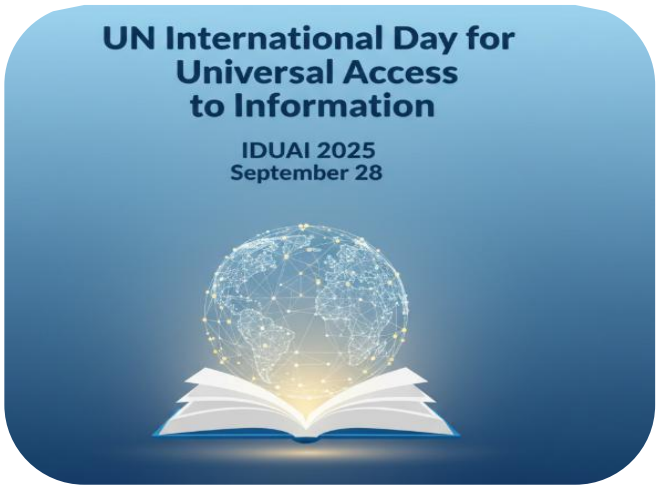

संयुक्त राष्ट्र (UN) ने 28 सितंबर 2025 को सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDUAI) मनाया। इस दिवस का उद्देश्य दुनिया भर में सूचना कानूनों को मजबूत करने और लागू करने, पारदर्शिता, लोकतंत्र को बढ़ावा देने और सभी के लिए सूचना तक समान पहुंच के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

- **2025 में IDUAI के छठे समारोह का विषय है "डिजिटल युग में पर्यावरणीय जानकारी तक पहुंच सुनिश्चित करना", जो पर्यावरणीय आंकड़ों को सुलभ बनाने और डिजिटल उपकरणों के माध्यम से सूचित निर्णय लेने को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डालता है।**

- **2015 में, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) के महासम्मेलन ने प्रस्ताव 38 C/57 को अपनाया, जिसके तहत प्रत्येक वर्ष 28 सितंबर को आधिकारिक तौर पर IDUAI दिवस घोषित किया गया। 2016 से, UNESCO दुनिया भर में वैश्विक सम्मेलनों और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन करके इस दिन को मनाता आ रहा है।**

Key Points:-

(i) 15 अक्टूबर 2019 को, अपने 74वें सत्र के दौरान, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने प्रस्ताव A/RES/74/5 को अपनाया, जिसके तहत विकास, लोकतंत्र और समानता के लिए इसकी प्रासंगिकता के कारण 28 सितंबर को IDUAI के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता दी गई। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस का पहला आधिकारिक आयोजन 28 सितंबर 2020 को हुआ।

(ii) 29-30 सितंबर 2025 को, मनीला, फिलीपींस ने IDUAI की मेजबानी की, जिसका आयोजन यूनेस्को ने फिलीपींस गणराज्य की सरकार के साथ साझेदारी में किया था। इस कार्यक्रम में सूचना की सुलभता, कानूनी ढाँचे और सूचना प्रसार हेतु तकनीकी नवाचारों पर चर्चाएँ शामिल थीं।

(iii) 28 सितंबर 2025 को, UNESCO सूचना सभी के लिए कार्यक्रम (IFAP) सूचना सुगम्यता पर कार्य समूह (WGIA) ने अपने छठे एक दिवसीय ऑनलाइन AI4IA (सूचना सुगम्यता के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) सम्मेलन की मेजबानी की।

3. संयुक्त राष्ट्र (UN) का खाद्य हानि और अपशिष्ट जागरूकता का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDAFLW) 2025, 29 सितंबर को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र (UN) ने हाल ही में 29 सितंबर 2025 को खाद्य हानि और अपशिष्ट जागरूकता का 6वाँ अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDAFLW) मनाया। इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर खाद्य हानि और अपशिष्ट को कम करने की तात्कालिकता पर ज़ोर देना है ताकि खाद्य सुरक्षा, स्थिरता और जलवायु लचीलापन सुनिश्चित हो सके।

- **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 19 दिसंबर 2019 को प्रस्ताव A/RES/74/209 को अपनाकर 29 सितंबर को IDAFLW घोषित किया। पहली बार यह दिवस 29 सितंबर 2020 को मनाया गया था, जिसमें सतत खाद्य उत्पादन की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया गया।**

- **यह दिवस खाद्य और कृषि संगठन (FAO) तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है। 2025 में, दोनों एजेंसियों ने आपूर्ति श्रृंखला के हर स्तर पर खाद्य हानि और अपशिष्ट को कम करने की अपील दोहराई।**

- **2025 की थीम ने किसानों, उद्योगों, उपभोक्ताओं से लेकर नीति-निर्माताओं तक सभी हितधारकों के प्रयासों के विस्तार पर ज़ोर दिया। इस वर्ष सामूहिक कार्रवाई को प्रोत्साहित किया गया, ताकि खाद्य हानि और अपशिष्ट को नवाचारी, समावेशी और लचीले समाधानों के माध्यम से कम किया जा सके।**

Key Points:-

(i) IDAFLW का सीधा संबंध सतत विकास लक्ष्य (SDG) के लक्ष्य 12.3 से है, जिसका उद्देश्य 2030 तक खुदरा और उपभोक्ता स्तर पर प्रति व्यक्ति खाद्य अपशिष्ट को आधा करना और उत्पादन व आपूर्ति श्रृंखलाओं में खाद्य हानि को कम करना है।

(ii) भारतीय परिवार हर साल लगभग 78.2 मिलियन टन खाद्य अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं, जो औसतन प्रति व्यक्ति 55 किलोग्राम है। खाद्य हानि और अपशिष्ट वैश्विक ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन में लगभग 8–10% का योगदान देते हैं।

(iii) 2025 का आधिकारिक आयोजन 29 सितंबर को FAO और UNEP द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसमें नवाचारी समाधानों, सतत खाद्य प्रणालियों के लिए वित्त पोषण सुनिश्चित करने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

ENVIRONMENT

1. तमिलनाडु तट पर नई फिनलेस स्नेक ईल प्रजाति 'एप्टेरिच्टस कन्नियाकुमारी' की खोज की गई।

सितंबर 2025 में, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (ICAR-NBFGR) के क्षेत्रीय केंद्र, कोच्चि स्थित प्रायद्वीपीय जलीय आनुवंशिक संसाधन केंद्र (PAGR) के शोधकर्ताओं ने तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के कोलाचेल तट पर पंखरहित सर्प ईल की एक नई प्रजाति की खोज की। इस खोज के साथ, भारतीय तट पर पाई जाने वाली ईल प्रजातियों की कुल संख्या 16 हो गई है।

- **कन्याकुमारी जिले के सांस्कृतिक, भाषाई, ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व के सम्मान में नई खोजी गई ईल प्रजाति का नाम एप्टेरिच्टस कन्याकुमारी रखा गया है।**

- **एप्टेरिचटस कन्याकुमारी पंखरहित सर्प ईल के एप्टेरिचटस समूह से संबंधित है, जो भारतीय तटरेखा के किनारे पाए जाने वाले इस वंश में एक नई प्रजाति को जोड़ता है।**

- **इस खोज को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित समकक्ष-समीक्षित पत्रिका ज़ूटाक्सा के नवीनतम अंक में प्रलेखित और प्रकाशित किया गया है, जिससे यह वैज्ञानिक समुदाय के लिए वैश्विक रूप से सुलभ हो गई है।**

Key Points:-

(i) यह प्रजाति अद्वितीय विशेषताएं प्रदर्शित करती है जो इसे पहले से ज्ञात ईल प्रजातियों से अलग करती है, जिसमें कुल लंबाई (TL) की 9.6-9.7% सिर की लंबाई, टीएल की 1.8-1.9% पूंछ की लंबाई और टीएल के 42.1-54.8% तक गिल के उद्घाटन पर शरीर की गहराई शामिल है।

(ii) अन्य उल्लेखनीय विशेषताओं में तीन प्रीऑपरकुलर और नौ सुपरटेम्पोरल छिद्र, जबड़े और वोमर पर शंक्वाकार एकतरफा दांत और एक विशिष्ट सुनहरे-पीले शरीर का रंग शामिल है, जो इसे भारतीय तट पर अन्य ईल प्रजातियों से अलग करता है।

Static GK

Ministry of Ayush	मंत्री: श्री प्रतापराव जाधव	मुख्यालय: नई दिल्ली
Tata Motors Limited	संस्थापक: जे. आर. डी. टाटा	मुख्यालय: मुंबई
RBI	राज्यपाल: संजय मल्होत्रा	मुख्यालय: मुंबई
United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization's (UNESCO)	महानिदेशक: ऑड्रे अज़ोले	मुख्यालय: पेरिस, फ़्रांस
Odisha	मुख्यमंत्री (CM) : मोहन चरण माझी	राज्यपाल : हरि बाबू कंभमपति
Board of Control for Cricket In India (BCCI)	मुख्य कार्यकारी अधिकारी : हेमंग अमीन	मुख्यालय: मुंबई
World Federation of the Deaf (WFD)	अध्यक्ष : जोसेफ मरे	मुख्यालय : हेलसिंकी, फ़िनलैंड
United Nations Environment Programme (UNEP)	कार्यकारी निदेशक: इंगर एंडरसन	मुख्यालय: नैरोबी, केन्या